आयो कृष्ण कन्हाई

बधाई हो बधाई कृष्ण कन्हाई,
बधाई हो बधाई कृष्ण कन्हाई।-2

ओ बृज में आनंद गूंज रहो आयो कृष्ण कन्हाई है,
आयो कन्हाई है हर घर बज रही बधाई है।-2

मोर मुकुट कानन में कुंडल रूप अति मन भावे-2
आसमान से धरती पर एक छवि ही आई है।
ओ बृज में आनंद गूंज.....

छोटे छोटे हाथ है वाके मेहन्दी लगी प्यारी-2
उन हाथन से मुरली बजा के सबको सुनाई है।
ओ बृज में आनंद गूंज.....

मोटे मोटे नयन है तिरछे काज़ल लगो प्यारो-2
रूप सलोना देख के "खत्री" सुध बिसराई है।
ओ बृज में आनंद गूंज रहो यशोदा लल्ला जाई है।

ओ बृज में आनंद गूंज रहो यशोदा लल्ला जाई है,
आयो कन्हाई है हर घर बज रही बधाई है,
ओ बृज में आनंद गूंज रहो आयो कृष्ण कन्हाई है,
आयो कन्हाई है हर घर बज रही बधाई है।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33112/title/Aayo-krishan-kanhaai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |